आधुनिक चिकित्सा पद्धति, नयी तकनीक एवं हृदय रोगों से बचाव के उपायों पर मंथन

कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया, बिहार चैप्टर सम्मेलन का समापन

(आज समाचार सेवा)

पटना। कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया, बिहार चैप्टर का 32वां वार्षिक अधिवेशन कार्डिकॉन 2026 के दूसरे दिन विभिन्न राज्यों से आये हृदय रोग विशेषज्ञों ने हृदय रोगी की आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों, नई तकनीकों, उपचार की चुनौतियों तथा हृदय रोगों से बचाव के उपायों पर विस्तार से चर्चा की। सम्मेलन के अंतिम दिन 14 वैज्ञानिक सत्र आयोजित किये गये।

सम्मेलन के आयोजन सचिव हृदय रोग विशेषज्ञ डा.विपिन कुमार ने बताया कि आज के वैज्ञानिक सत्रों में गर्भावस्था के दौरान हृदय रोग के बारे में विशेष चर्चा की गई। मेदांता अस्पताल के इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डा.प्रमोद कुमार ने कैथेटर आधारित तकनीकों से जटिल हृदय की धमनियों में ब्लॉकेज को दूर करने के आधुनिक तरीकों की जानकारी दी। सीएसआई बिहार चैप्टर के सचिव डा.अशोक कुमार ने उच्च रक्तचाप को एक गंभीर एवं खतरनाक बीमारी बताते हुए कहा कि कई बार किडनी तथा न्यूरोलॉजिकल बीमारियों के कारण भी हाइपरटेंशन हो सकता हैं। इसकी समय पर जांच और उचित नियंत्रण से कई गंभीर जटिलताओं से बचा जा सकता



हैं। प्रेसिडेंशियल ओरेशन देते हुए एम्स पटना के कार्डियो थोरेसिक सजरी के विभागाध्यक्ष डा.संजीव कुमार ने कार्डियोलॉजी एवं कार्डियक सर्जरी के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि दोनों विभाग को अलग-अलग कार्य करने के बजाय एक टीम के रूप में मिलकर काम करना चाहिए। मेदांता अस्पताल के डा.शमशाद आलम ने हार्ट फेल्योर के आधुनिक उपचार एवं इसके बेहतर प्रबंधन पर प्रकाश डाला। वहीं, डा.अजय कुमार ने मोटापा एवं डायबिटीज को हृदय रोगों के प्रमुख जोखिम कारकों के बारे में कहा कि डायबिटीज पर नियंत्रण आवश्यक हैं। इसके अलावा सम्मेलन में डा.एस.एस.चटर्जी, डा.यू.सी.शामल, डा.बीपी सिंह, डा.यूएन सिंह, आईजीआईएमएस के किडनी रोग विशेष डा.ओम कुमार, एम्स पटना के हृदय रोग विशेषज्ञ डा.अनुपम बम्बानी, डा.बीबी भारती, डा.अरविंद कुमार समेत अन्य वरीय हृदय रोग विशेषज्ञ उपस्थित थे।

लोकतंत्र की मजबूती का आधार हैं युवा : मिथिलेश तिवारी

(आज शिक्षा प्रतिनिधि)

पटना। शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने कहा है कि युवा हमारे लोकतंत्र के मजबूत स्तंभ हैं। देश के भविष्य और लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में उनकी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। युवाओं की क्षमता और योगदान को कमतर नहीं आंका जा सकता। श्री तिवारी रविवार को ज्ञान निकेतन स्कूल में आयोजित पाटलीपुत्र राष्ट्रीय युवा संसद प्रतियोगिता कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले युवा प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया और उनके प्रयासों की सराहना की। शिक्षा मंत्री ने कहा कि युवा संसद जैसे आयोजन विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक व्यवस्था और संसदीय कार्यप्रणाली को समझने का अवसर देते हैं। इससे विद्यार्थियों में संसदीय परंपराओं, लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान के प्रति जागरूकता बढ़ती है। साथ ही, उनमें तार्किक सोच, विचारों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने और विभिन्न विषयों पर स्वस्थ चर्चा करने की क्षमता विकसित होती है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करते हैं। युवाओं को लोकतंत्र की मूल भावना को समझते हुए देश और समाज के विकास में सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिये।

सरकारी स्कूलों का होगा कायाकल्प

पटना (आशिप्र)। राज्य में सेवा संकल्प एवं कायाकल्प के तहत सरकारी स्कूलों का कायाकल्प होगा। स्कूलों में कायाकल्प के 77,473 कार्य होंगे। ऐसे सभी कार्य चिन्हित किये जा चुके हैं। इसके तहत 53,529 विद्यालय भवनों एवं कक्षाओं की मरम्मती और रंगाई-पुताई होगी। 4,632 विद्यालयों में चहारदीवारी खड़ी होगी। 3,397 विद्यालयों में पेयजल एवं विद्युत सुविधाओं को क्रियाशील बनाया जायेगा। विद्यालयों में 3,239 रसोई शेड के रखरखाव, 2,819 नए शौचालयों तथा 2,002 अतिरिक्त कक्षाओं के निर्माण से जुड़े कार्य होंगे। इन प्रयासों से विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने और विद्यार्थियों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुविधाजनक वातावरण तैयार करने में मदद मिलेगी।

कैडेटों ने गंगा में नौका से की ढाई सौ किलोमीटर की यात्रा

(आज शिक्षा प्रतिनिधि)

पटना। सत्तर कैडेटों ने गंगा में नाव से 250 किलोमीटर की लंबी यात्रा पूरी की। गंगा की अविरल धारा पर साहस, अनुशासन, एकता और राष्ट्रसेवा के संदेश के साथ पटना से



शुरू नौका यात्रा भागलपुर के बरारी घाट पर पूरी हुई।

इसमें शामिल सभी कैडेट फर्स्ट बिहार नेवल यूनिट के सीनियर डिवीजन एवं सीनियर विंग के हैं। इसका नेतृत्व कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कमांडर प्रीतम कुमार ने किया। अभियान का उद्देश्य युवाओं में साहस, आत्मविश्वास, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता एवं टीम भावना विकसित करने के साथ-साथ गंगा नदी की स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, राष्ट्रीय एकता और राष्ट्रसेवा का संदेश जन-जन तक पहुंचाना था। पटना के एनआईटी घाट से शुरू होकर बैकठपुर घाट से आगे बढ़ा यह नौकायन अभियान बाढ़, सिमरिया, मटिहानी, मुंगेर सहित विभिन्न स्थानों से होते हुए भागलपुर पहुंचा। यात्रा के विभिन्न पड़ावों पर कैडेटों ने स्वच्छता अभियान, पदयात्रा, नुक्कड़ नाटक एवं जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से स्थानीय लोगों को स्वच्छ गंगा, स्वच्छ पर्यावरण और नशामुक्त भारत का संदेश दिया। कैडेटों ने लोगों से गंगा को प्रदूषणमुक्त रखने तथा घाटों की स्वच्छता बनाए रखने की अपील भी की। पूरी यात्रा में भारतीय नौसेना के कुशल प्रशिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कैडेटों ने नौकायन की बारीकियों, नाव संचालन, जल सुरक्षा और आपात परिस्थितियों से निपटने का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया। अभियान की सुरक्षा के लिए एसडीआरएफ की टीम भी साथ रही। अभियान को सफल बनाने में एएनओ आनंद आशीष, डॉ. संजय कुमार सिंह एवं मुकेश कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पीआई स्टाफ के एस. के. प्रसाद, कुमोद रंजन सिंह, अमल यादव, राजेश कुमार, ओंकार सुमन, दीपक कुमार, बाबुल कुमार, रविकांत कुमार, राजू रंजन, अवनीत नमन, राजेश कुमार सिंह एवं डी. के. रॉय ने सक्रिय योगदान दिया। जीसीआई नेहा कुमारी, एलडीसी रमेश कुमार तथा अन्य सिविलियन स्टाफ भी अभियान में शामिल थे।

नये शैक्षिक सत्र से मॉडल स्कूलों में स्मार्ट क्लास में पढ़ाई

(आज शिक्षा प्रतिनिधि)

पटना। राज्य में सरस्वती विद्या निकेतन के नाम से खोले गये सात सौ मॉडल स्कूलों में आगामी अप्रैल माह से शुरू होने वाले नये शैक्षिक सत्र से स्मार्ट क्लास में पढ़ाई शुरू होगी। इसके साथ आगामी अप्रैल माह से शुरू होने वाले नये शैक्षिक सत्र से ही सरकारी स्कूलों में 6ठी कक्षा से कम्प्यूटर की पढ़ाई भी अनिवार्य हो जायेगी। राज्य में डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए शिक्षा विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। अगले शैक्षणिक सत्र से छठी और उससे ऊपर की कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए कंप्यूटर शिक्षा अनिवार्य करने की तैयारी है। इसके तहत विद्यार्थियों को कंप्यूटर का व्यावहारिक ज्ञान देने से पहले सभी शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जायेगा। शिक्षा विभाग की योजना के तहत शिक्षकों को राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) में कंप्यूटर का प्रशिक्षण दिया जायेगा। प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षकों को कंप्यूटर संचालन और डिजिटल शिक्षा से जुड़ी जरूरी जानकारी दी जायेगी, ताकि वे कक्षाओं में विद्यार्थियों को बेहतर तरीके से कंप्यूटर शिक्षा प्रदान कर सकें। इस बाबत शिक्षा विभाग ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक तैयारियां समय पर पूरी करने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही राज्य के सभी सात सौ सरस्वती विद्या निकेतन मॉडल स्कूलों में आगामी 31 मार्च से पहले स्मार्ट क्लास विकसित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए स्कूलों में जरूरी संसाधन और सुविधाएं उपलब्ध कराने की तैयारी की जा रही है। जिन मॉडल स्कूलों में अब तक चहारदीवारी का निर्माण नहीं हुआ है, वहां भी निर्धारित समयसीमा के भीतर चारदीवारी बनाने का निर्देश दिया गया है। विभाग का जोर नये शैक्षणिक सत्र की शुरुआत से पहले स्कूलों में डिजिटल शिक्षा के लिए जरूरी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने पर है।

डाटा इंट्री ऑपरेटर संयुक्त मोर्चा का रोड मार्च

(आज समाचार सेवा)

पटना। बिहार राज्य डाटा इन्ट्री ऑपरेटर संयुक्त मोर्चा द्वारा आज सुबह 11.00 बजे से कारगिल चौक, गांधी मैदान से ईन्कम टैक्स गोलम्बर, पटना तक रोड मार्च का आयोजन किया गया। इस रोड मार्च में सभी सचिवालय एवं पटना के विभिन्न कार्यालयों से हजारों की संख्या में बेल्ट्रॉन के माध्यम से नियोजित विभिन्न कोटि के कर्मी शामिल हुए। इस रोड मार्च में महिलाओं की भी काफी बड़ी संख्या रही। संयुक्त मोर्चा द्वारा रोड मार्च का आयोजन बिहार के सभी 38 जिलों में भी किया गया है।

वर्तमान में बेल्ट्रॉन के माध्यम से नियोजित विभिन्न कोटि के कर्मियों यथा डाटा एंट्री ऑपरेटर, प्रोग्रामर स्टेनोग्राफर एवं आई0टी0 ब्यॉज/गर्ल जो लगातार 29 वर्षों (तीन दशकों) से अधिक समयावधि से लगभग 20 हजार की संख्या में कार्यरत हैं। उक्त रोड मार्च में उपस्थित हजारों की संख्या में कर्मियों दवारा राज्य सरकार के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए अविलंब 'राज्यकर्मी का दर्जा एवं सूचना प्रावैधिकी विभाग को नोडल विभाग' घोषित करने की माँग की गयी। सरकार से अनुरोध किया गया



कि जल्द से जल्द हमारी मांगों को लिखित आदेश के रूप में दिया जाए।

रोड मार्च को संबोधित करते हुए संयुक्त मोर्चा के संरक्षक श्री चन्द्र प्रकाश सिंह द्वारा इन कर्मियों के जायज माँगों को राज्य सरकार से यथाशीघ्र लागू करने की माँग की गयी। उन्होंने कहा कि बेल्ट्रॉन कर्मियों ने अपने जीवन का बहुमूल्य समय राज्य सरकार को दिया है। इन कर्मियों की उम्र की सीमा भी समाप्त हो गयी है। इसलिए राज्य सरकार को इन्हें राज्यकर्मी घोषित किया जाना चाहिए।

अपने संबोधन में संयुक्त मोर्चा के सदस्य श्री अशोक कुमार यादव ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा 1997 से यह सेवा निरंतर ली जा रही है। कुल 29 वर्षों की सेवा में सैकड़ों कर्मी सेवानिवृत्त हो गए वह भी बिना किसी सेवानिवृत्ति लाभ के। इन कर्मियों द्वारा राज्य सरकार में टाइप सेक्शन से संबंधित सभी कार्य एवं ऑनलाईन से संबंधित सभी कार्य निष्पादित किया जाता है।

रोड मार्च को संबोधित करते हुए संयुक्त मोर्चा के सदस्य श्री विशाल कुमार ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा पिछले 29 वर्षों से लगातार ठेका मजदूर के रूप में बेल्ट्रॉन कर्मियों से कार्य लिया जा रहा है।

रोड मार्च में संयुक्त मोर्चा के महिला सदस्य श्रीमती संगीता कुमारी एवं प्रियंका प्रियदर्शी के द्वारा बेल्ट्रॉन कर्मियों की 10 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि स्थगित किये जाने के विरूद्ध आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान सुविधाओं को यथावत् रखते हुए वर्षों से सेवा दे रहे कर्मियों को राज्यकर्मी घोषित किया जाय।

शिक्षक कभी सेवानिवृत्त नहीं होता : कुलपति

पटना (आससे)। पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय में छह सेवानिवृत्त शिक्षकों तथा शिक्षकेतर कर्मचारियों के सम्मान में विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. उपेन्द्र प्रसाद सिंह ने सभी सेवानिवृत्त शिक्षकों और कर्मचारियों को सेवांत लाभ के कागजात सौंपे। कुलपति ने कहा कि शिक्षक कभी सेवानिवृत्त नहीं होता, बल्कि अपने ज्ञान और अनुभव से समाज को लाभान्वित करता रहता है। कुलसचिव प्रो. अबू बकर रिजवी ने कहा कि सेवानिवृत्त शिक्षक और कर्मचारी विश्वविद्यालय की अमूल्य धरोहर हैं। उनके



योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। सेवानिवृत्त होने वालों में चार शिक्षक तथा दो शिक्षकेतर कर्मचारी शामिल हैं। इनमें शिक्षक डॉ. अशोक कुमार, डॉ. प्रतिमा कुमारी, प्रो. बृजनंदन प्रसाद, डॉ. महेश प्रसाद सिंह, डॉ. मोहना नंद झा, शिक्षकेतर कर्मचारी बिनोद कुमार ठाकुर, जगन्नाथ मिश्रा और मनोज कुमार सिंह शामिल हैं। इस अवसर पर डीएसडब्ल्यू प्रो. राजीव रंजन, सीसीडीसी प्रो. शिव कुमार यादव, महाविद्यालय निरीक्षक प्रो कृष्णनंदन प्रसाद और प्रो श्यामल किशोर सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

बच्चों ने बिखेरा प्रतिभा का जलवा

सीजन-19 के स्टार परफॉर्मर्स सम्मानित

पटना (आससे)। बच्चों की छिपी प्रतिभा को पहचानने और उन्हें मंच प्रदान करने के उद्देश्य से तानसेन स्कूल ऑफ म्यूजिक एंड डांस की ओर से स्थानीय मंडपम हॉल में मेहफिल



सीजन-20 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी कैप्टन आशुतोष कुमार, निदेशक वंदना कुमार, मुख्य परिचालन अधिकारी अंजनी कुमारी और विशिष्ट अतिथि डॉ. विमलेंदु ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर कंकड़बाग, पाटलिपुत्र, गोला रोड, आशियाना और सगुना शाखाओं के बच्चों ने गायन, शास्त्रीय नृत्य, पाश्चात्य नृत्य और वाद्य संगीत की आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण पिछले आयोजन मेहफिल सीजन-19 के स्टार कलाकार पुरस्कार विजेताओं का सम्मान रहा। विभिन्न शाखाओं से चयनित बच्चों को उनकी मेहनत और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। कैप्टन आशुतोष कुमार ने कहा कि मेहफिल केवल सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि बच्चों के व्यक्तित्व विकास का माध्यम है। इसका उद्देश्य बच्चों के मन से मंच का डर और झिझक दूर कर उनमें आत्मविश्वास विकसित करना है। निदेशक वंदना

मेहफिल सीजन-20

कुमार ने कहा कि संस्थान का लक्ष्य केवल कलाकार तैयार करना नहीं, बल्कि आत्मविश्वास से भरपूर व्यक्तित्व का निर्माण करना है। अंजनी कुमारी ने कहा कि मंच पर प्रस्तुति देना और अपनी झिझक दूर करना भी बड़ी उपलब्धि है। डॉ. विमलेंदु ने बच्चों को कला और संस्कृति से जुड़े रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में अद्विका कांति, आयंशी, सान्वी सोमानी, अनन्या तिवारी, शौर्य सिंह, निश्चल वर्मा, अन्विका किशोर, ऋषि राज सिंह, नंदनी कुमारी, सुकृति और मिथिया कश्यप सहित विभिन्न शाखाओं के प्रतिभागियों को उनकी प्रस्तुतियों के लिए सम्मानित किया गया।

मनोज गुप्ता बने भाजपा वाणिज्य प्रकोष्ठ के प्रदेश सह-संयोजक

पटना (आससे)। भारतीय जनता पार्टी वाणिज्य प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक प्रो. (डॉ.) जगन्नाथ प्रसाद गुप्ता ने मनोज कुमार उर्फ मनोज गुप्ता को प्रकोष्ठ के प्रदेश सह-संयोजक के पद पर मनोनीत किया है। इसके साथ ही पार्टी ने उन्हें बाढ़ जिले का प्रभार भी सौंपा है। इसके लिए मनोज गुप्ता ने संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और वाणिज्य प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक प्रो. (डॉ.) जगन्नाथ प्रसाद गुप्ता का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने शीर्ष नेतृत्व को विश्वास दिलाया कि वे संगठन की उम्मीदों पर पूरी तरह से खरा उतरेंगे। वहीं पटना सिटी (माधव मिल्स, मालसलामी) निवासी मनोज गुप्ता को यह जिम्मेदारी मिलने पर क्षेत्र के पार्टी कार्यकर्ताओं, व्यवसायियों और समर्थकों में हर्ष का माहौल है।



ब्राह्मण समाज की 15 सूत्री मांगों के लिए लोकमंच की मौन संकल्प पदयात्रा

पटना (आससे)। पटना के मिलर स्कूल में ब्राह्मण समाज की मांगों को लेकर लोकमंच के बैनर तले दस हज़ार लोग उपस्थित हुए। आज लोकमंच के संस्थापक आशीष कुमार उर्फ बब्बू झा के नेतृत्व में मिलर स्कूल मैदान से मौन संकल्प पदयात्रा की शुरुआत हुई। करीब10 हजार ब्राह्मण आयकर गोलंबर, विधानसभा होते हुए शहीद स्मारक पहुंचे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आशीष कुमार उर्फ बब्बू झा ने कहा कि ब्राह्मण समाज का मौन संकल्प मार्च के माध्यम से लोकमंच को मजबूत बनाने और संकल्पों को सिद्धि का हमलोगों ने प्रण लिया है। हम सब अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद, पंडित मदन मोहन मालवीय, आचार्य चाणक्य, मैथिल कोकिल विद्यापति, बाबा लक्ष्मी नाथ गोसाई और वी वी गिरि के रास्ते पर चलने वाले लोग हैं। बिहार में पहली बार ब्राह्मण समाज अपनी मांगों को लेकर पटना में एकत्रित हुआ है। बिहार के कोने-कोने से लोग यहां आए हुए हैं।



हम वोट बैंक नहीं बुद्धि बैंक हैं। ब्राह्मण जो बोलता है वो करता है।

लोकमंच ब्राह्मण समाज की आवाज है। यह सभी लोगों के हक और अधिकार की लड़ाई लड़ेगा। आजादी की लड़ाई से लेकर आज तक ब्राह्मण समाज देश निर्माण का कार्य कर रहा हैं। छुआ - छूत को नहीं बढ़ाया, भारत में छुआ छूत अंग्रेजों की साजिश रही, ब्राह्मणों की नहीं। अंग्रेजों ने ब्राह्मण से भूमिहार को बाँट दिया। भूमिहार और ब्राह्मण दोनों भगवान् परशुराम के वंशज हैं। हमारी भी मांग है कि श्री बाबू को भारत रत्न मिले।

आशीष कुमार ने कहा कि भरोसे का दूसरा नाम ब्राह्मण है। हम समाज को जागरूक कर अधिकार प्राप्ति के किए बहुत जल्द रथयात्रा के माध्यम से ब्राह्मण के एक एक गांव जाएंगे।

हमारी विरासत को आगे बढ़ाने का काम युवा करेंगे। ब्राह्मण की उपेक्षा कर कोई भी सरकार बिहार में नहीं बन सकती है। 15 सूत्री मांगों की पूर्ति के लिए मौन संकल्प पदयात्रा में बड़ी संख्या में पूर्णिया, सहरसा, मधेपुरा, मधुबनी, दरभंगा गोपालगंज सहित बिहार के कोने कोने से लोग पहुंचे थे.सभी लोगों ने शंख की आवाज पर अपने संकल्पों को सिद्धि करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को आशीष कुमार उर्फ़ बब्बू झा,अजय कुमार झा, राजेश कुमार झा,डब्बू मिश्र,पोलो झा, राजेश पाठक, टुनटुन झा, ज्योतिष झा, संतोष मिश्रा,पप्पू गिरी, प्रशांत झा ने संबोधित किया।

विराट कायस्थ महासम्मेलन में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान

पटना (आससे)। ग्लोबल कायस्थ कॉन्फ्रेंस (जीकेसी) के ग्लोबल अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद ने कायस्थ समाज के लोगों से २० दिसंबर को नवी मुंबई के खारधर में आयोजित होनेवाले विराट कायस्थ महासम्मेलन में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन देश-विदेश के कायस्थ समाज को एकजुट करने, सामाजिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत को नयी पहचान दिलाने तथा समाज के सर्वांगीण विकास के लिए सामूहिक संकल्प का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने बिहार प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में शामिल सभी ३८ जिलों के प्रतिनिधियों से सम्मेलन की जानकारी समाज के प्रत्येक परिवार तक पहुंचाने और अधिकाधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया। पटना के किदवईपुरी स्थित ठाकुर



प्रसाद कम्युनिटी हॉल में आयोजित बैठक में कायस्थ समाज के सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक विकास से जुड़े विभिन्न प्रस्तावों पर चर्चा की गयी और उनके क्रियान्वयन के लिए जिलास्तर पर समन्वित प्रयास करने पर बल दिया गया। दीप प्रज्वलित कर शुरू हुई बैठक में कायस्थ एंथम प्रस्तुत किया गया तथा विभिन्न जिलों से पहुंचे प्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया। जीकेसी के ग्लोबल अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि संगठन की मजबूती उसकी सामाजिक सक्रियता और जरूरतमंद लोगों के प्रति संवेदनशीता से तय होती है। उन्होंने आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की सहायता, युवाओं को अवसर उपलब्ध कराने और कायस्थ समाज की उपलब्धियों को व्यापक पहचान दिलाने के लिए सामूहिक प्रयास का आह्वान किया। जीकेसी की प्रबंध न्यासी रागिनी रंजन ने महिला सशक्तीकरण को सामाजिक विकास का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए महिलाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने पर बल दिया। बैठक में संगठन के सदस्यता अभियान को व्यापक बनाने, जिलास्तर पर नियमित बैठकें आयोजित करने और प्रदेश एवं जिला इकाइयों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी चर्चा हुई।

बुद्धा कैंसर सेंटर में मिलेगी अत्याधुनिक फ्लो साइटोमेट्री जांच की सुविधा

पटना (आससे)। कैंसर एवं रक्त संबंधी गंभीर बीमारियों की जांच एवं उपचार को अधिक सुविधाजनक बनाने की दिशा में बुद्धा कैंसर सेंटर पटना ने एक महत्वपूर्ण पहल की हैं। अस्पताल में अत्याधुनिक फ्लो साइटोमेट्री मशीन स्थापित की गई हैं। जिससे जांच में तेजी आयेगी और मरीजों को अब जांच के लिए दूसरे शहरों या दूरस्थ लैब पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। बुद्धा कैंसर सेंटर के निदेशक डा.अरविंद कुमार ने कहा कि इस आधुनिक तकनीक की मदद से विशेष रूप से ल्यूकेमिया तथा अन्य रक्त संबंधी बीमारियों की पहचान, वर्गीकरण और निदान में चिकित्सकों को महत्वपूर्ण जानकारी मिलती हैं। इस सुविधा की सबसे बड़ी खासियत यह है कि अब मरीजों की फ्लो साइटोमेट्री जांच की रिपोर्ट अस्पताल में ही लगभग 6-8 घंटे के भीतर उपलब्ध करायी जा सकेगी। यह समय सैंपल और जांच की प्रकृति के अनुसार रहेगा। बुद्धा कैंसर सेंटर पटना का उद्देश्य बिहार एवं आसपास के राज्यों के मरीजों को आधुनिक कैंसर जांच एवं उपचार की सुविधाएं अपने ही राज्य में उपलब्ध कराना है, ताकि मरीजों और उनके परिजनों को बेहतर चिकित्सा सुविधा के लिए दूसरे शहरों की यात्रा न करना पड़ें।



पटना। कैंसर एवं रक्त संबंधी गंभीर बीमारियों की जांच एवं उपचार को अधिक सुविधाजनक बनाने की दिशा में बुद्धा कैंसर सेंटर पटना ने एक महत्वपूर्ण पहल की हैं। अस्पताल में अत्याधुनिक फ्लो साइटोमेट्री मशीन स्थापित की गई हैं। जिससे जांच में तेजी आयेगी और मरीजों को अब जांच के लिए दूसरे शहरों या दूरस्थ लैब पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। बुद्धा कैंसर सेंटर के निदेशक डा.अरविंद कुमार ने कहा कि इस आधुनिक तकनीक की मदद से विशेष रूप से ल्यूकेमिया तथा अन्य रक्त संबंधी बीमारियों की पहचान, वर्गीकरण और निदान में चिकित्सकों को महत्वपूर्ण जानकारी मिलती हैं। इस सुविधा की सबसे बड़ी खासियत यह है कि अब मरीजों की फ्लो साइटोमेट्री जांच की रिपोर्ट अस्पताल में ही लगभग 6-8 घंटे के भीतर उपलब्ध करायी जा सकेगी। यह समय सैंपल और जांच की प्रकृति के अनुसार रहेगा। बुद्धा कैंसर सेंटर पटना का उद्देश्य बिहार एवं आसपास के राज्यों के मरीजों को आधुनिक कैंसर जांच एवं उपचार की सुविधाएं अपने ही राज्य में उपलब्ध कराना है, ताकि मरीजों और उनके परिजनों को बेहतर चिकित्सा सुविधा के लिए दूसरे शहरों की यात्रा न करना पड़ें।

भारत की दुर्दशा का अत्यंत मार्मिक गीत है फिरंगिया

पटना (आससे)। बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन में प्राचार्य मनोरंजन प्रसाद, महाकवि वियोगी और राम गोपाल शर्मा रूद्र जयन्ती की मनायी गयी द्य इस अवसर पर कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया द्य समारोह का उद्घाटन करते हुए राज्य उपभोक्ता संरक्षण आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति संजय कुमार ने कहा कि मनोरंजन बाबू का फिरगिया गीत ने स्वतंत्रता आंदोलन में गहरा प्रभाव छोड़ा था। वियोगी जी और रुद्र जी जैसेष्कद्धवियों ने हिन्दी का भंडार भरा। मुख्यअतिथि और ऊर्दू लाइब्रेरी के अध्यक्ष अरशद फ़िरोज़ ने कहा कि मनोरंजन बाबू की फिरगियों जैसे गीत ही नहीं, उनके यात्रा वृतांत भी बहुत लोकप्रिय हुए। उनकी पुस्तक उत्तराखण्ड की यात्रा को भी बहुत मक्रबूलियत मिली। अपने बुजुर्गों को याद करना ज़रूरी है। इनसे हमें प्रेरणा मिलती है। ऐसे आयोजनों से हमें उनके बारे में जानने का भी मौका मिलता है। उन्होंने बटोहिया की प्रथम पंक्ति के प्रथम पद सुंदर सुभूमि भैया भारत के देसवा से ही किंचित परिवर्तित कर अपने गीत का आरंभ किया था। फिरगियों की प्रथम पंक्ति थी सुंदर सुधर भूमि भारत के रहे राम, आज इहे भइल मसान रे फिरगिया। अध्यक्षता करते हुए सम्मेलन अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने कही। डा सुलभ ने कहा कि, मनोरंजन बाबू का यह गीत बिहार के गाँव-गाँव और गलियों में गाया जाता था। स्वतंत्रता के बाद भी दशकों तक इस गीत की अनुगूंज सुनायी देती थी। महाकवि मोहन लाल महतो वियोगी और पं राम गोपाल शर्मा 'रुद्र' को भी श्रद्धा पूर्वक स्मरण किया तथा कहा कि मोक्ष-भूमि गया के ये दोनों काव्य-पुरुष, हिन्दी काव्य के महान तपस्वी थे। %वियोगी जी आधुनिक हिन्दी साहित्य के निमाताओं में से एक और बीसवीं शताब्दी के सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण साहित्यकारों में अग्र-पत्तिय हैं। चंदों के मर्मस्पर्शी गीतकार रामगोपाल शर्मा 'रुद्र' मनुष्य के कोमलतम भावों और अंतह्रों के मर्मस्पर्शी चित्रकार थे।



राज्य में 1385 स्वास्थ्य संस्थान हुए एनक्यूएएस प्रमाणित

पटना (आससे)। बिहार में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को राष्ट्रीय स्तर तक ले जाने के लिए राज्य स्वास्थ्य समिति द्वारा एनक्यूएएस प्रमाणीकरण को मिशन मोड में लागू किया जा रहा हैं। यह पहल केवल प्रमाणन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह दर्शाती है कि राज्य का पूरा स्वास्थ्य तंत्र यानि प्राथमिक स्तर से लेकर जिला अस्पताल तक गुणवत्ता सुधार के लिए व्यवस्थित रूप से तैयार और सक्रिय हैं। एनक्यूएएस प्रमाणीकरण के माध्यम से स्वास्थ्य संस्थानों में सुरक्षा, स्वच्छता, संक्रमण नियंत्रण एवं मानक प्रोटोकॉल के पालन में उल्लेखनीय सुधार हुआ हैं। राज्य में वर्त्तमान में 1385 स्वास्थ्य संस्थान एनक्यूएएस प्रमाणित हो चुके हैं। जिनमें 354 को एनक्यूएएस का राष्ट्रीय प्रमाणीकरण प्राप्त हुआ हैं। वहीं, राज्य में 1031 स्वास्थ्य संस्थानों को एनक्यूएएस का राज्य स्तरीय प्रमाणीकरण प्राप्त हो चुका हैं। राज्य के सभी 38 जिलों में स्वास्थ्य संस्थानों को सशक्त किया गया है और सभी जिलों में एनक्यूएएस प्रमाणित संस्थानों की संख्या में लगातार वृद्धि हुई हैं। राज्य का उद्देश्य है कि हर नागरिक को सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में समय पर सुरक्षित, और गुणवत्तापूर्ण इलाज मिले, ताकि उन्हें अनावश्यक रूप से इधर-उधर भटकना न पड़ें। यह प्रमाणीकरण सुनिश्चित करता है कि अस्पताल द्वारा दी जाने वाली सेवाएं सुरक्षित, रोगी- केन्द्रित एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप हो। जब किसी संस्थान को यह सर्टिफिकेट मिलता है, तो वहां आने वाले मरीजों का स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति विश्वास बढ़ता है और उन्हें बेहतर अनुभव प्राप्त होता हैं।